ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक- 22 फरवरी-II-2018 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

शांति और समरसता से सबकुछ सम्भव : दादी

कर्नाटक के मैसूर में संत समागम का भव्य आयोजन

मैसूर-कर्नाटक।

ब्रह्माकुमारीज़ एवं सुत्तुर मठ के संयुक्त तत्वावधान में 'अटेनिंग सुपरलेटिव कल्चर थ्रू द पावर ऑफ गॉड' विषय के अंतर्गत संत महात्माओं के लिए 'विशाल संत समागम' काआयोजन किया गया। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ की 80वीं वर्षगांठ एवं संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का 102वाँ जन्मदिन भी मनाया गया।

संत समागम में मंच पर दादी जानकी के साथ प्रान्त के सभी सम्माननीय संत महात्मायें, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. मृत्युंजय तथा ब्र.कु. प्रेमसिंह दिखाई दे रहे हैं।

इस अवसर पर राजयोगिनी दादी जानकी ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि यदि हम समाज को स्वस्थ बनाना चाहते हैं तो हमें स्वयं में पवित्रता, शांति तथा धैर्यता जैसे गुणों की धारणा अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शांति में एक असाधारण शक्ति है। जिस समाज में शांति और समरसता नहीं, वहाँ हम कुछ भी प्राप्ति नहीं कर सकते। इसके लिए आवश्यकता है कि समाज को संत महात्माओं से उचित मार्गदर्शन मिले। इस प्रयास में यह कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है। **स्वामी आत्मानंदजी, प्रेसीडेंट, श्री रामकृष्ण आश्रम मैसूर** ने अपने उद्बोधन में सराहना करते हुए कहा कि इस कॉन्फ्रेन्स ने भारत के समृद्ध विरासत एवं सांस्कृतिक परंपराओं का एक सुंदर चित्रण किया है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सभ्यता के प्रति बढ़े रुझान ने हमारे मूल्यों को छिन्न-भिन्न कर दिया है। हमें अपनी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में इस रुझान को अपनी जगह बनाने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता ही शांतमय एवं मूल्यनिष्ठ जीवन की बुनियाद है। कार्यक्रम में राज्य के करीब **250 संत महात्मायें शरीक हुए। समाज के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए दादी जानकी ने उन्हें सम्मानित किया। सात हज़ार से अधिक लोग इस वृत्तांत के साक्षी बने।** इस अवसर पर ब्र.कु. आशा दीदी,डायरेक्टर, ओ.आर.सी., गुरूग्राम ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आध्यात्मिकता की रोज़मर्रा के जीवन में अति आवश्यकता पर ज़ोर दिया। **इस समागम के दौरान तीस पवित्र कुमार एवं कुमारियों ने स्वयं को आजीवन ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित किया। सुत्तुर मठ के बिशप जगद्गुरू श्री शिवरात्रि देशिकेन्द्र महास्वामीजी ने खुले स्वर में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा विश्व में शांति एवं पवित्रता की स्थापना हेतु दिये जा रहे संदेश एवं प्रयासों की सराहना और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की कामना की ।**

'ऐन एनलाइटनिंग गेट टुगेदर' विषयक

कार्यक्रम के दौरान **राजयोगिनी दादी जानकी** ने कहा कि हमारा जीवन तभी समृद्ध और सम्पन्न बनेगा जब हम दृढ़ता, नि:स्वार्थ भाव व खुले दिल से सबकी सेवा करते हुए आगे बढ़ते रहेंगे। वो सर्वशक्तिमान परमात्मा हमारा मार्गदर्शन कर रहा है और उसकी ब्लेसिंग्स सदा हमारे साथ है, लेकिन अगर हमारे जीवन की राह सही दिशा में जा रही है तो। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में आने के बाद मेरे सभी प्रकार के स्वार्थ, चाहना और तृष्णा समाप्त हो गई। दादी ने सभी से आनंदमय जीवन हेतु विश्व परिवर्तन के कार्य के लिए संयुक्त रूप से प्रयास करने का आह्वान किया।

अदिचुन्चानागिरी महासमस्थान मठ के बिशप जगद्गुरू श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी जी ने

अपने सम्बोधन में कहा कि आज का समाज अज्ञान अंधकार से आच्छादित है। ये अंधकार सिर्फ ज्ञान की शक्ति से ही दूर हो सकता है जो रोशनी की किरण के समान है। उन्होंने कहा कि विज्ञान सिर्फ बाह्य पदार्थों की व्याख्या कर सकता है, उसके हल ढूंढ़ सकता है, किन्दु आंतरिक मन के नहीं। आंतरिक अंधकार को केवल शांति एवं जागृति से ही दूर किया जा सकता है। समाज की बेहतरी के लिए उन्होंने सभी को खुद की भूमिका पर गौर करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस कार्यक्रम में तीन सौ आमंत्रित मेहमान शरीक हुए।

18 जनवरी प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पुण्य स्मृति दिवस पर

विश्व के पाँचों महाद्वीप में मनाया 'विश्व शांति दिवस'

माउण्ट आबू-पाण्डव भवन।

18 जनवरी 'विश्व शांति दिवस' के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के देश-विदेश के सभी स्थानों पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पुण्य स्मृति दिवस पर विश्व शांति के लिए सामूहिक राजयोग मेडिटेशन का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू में मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने ब्रह्मा बाबा की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि त्याग और तपस्या बाबा के जीवन के उसूल रहे। बाबा ने विश्व परिवर्तन के कार्य को त्याग तपस्या के बल पर ही आगे बढ़ाया।

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि बाबा की शिक्षायें हमारे जीवन को सफल बनाने के लिए हमेशा दिशा निर्देश करती हैं।

इस अवसर पर संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. मृत्युंजय तथा देश भर से आये हज़ारों लोगों ने सामूहिक मेडिटेशन किया।

माउण्ट आबू में ब्रह्मा बाबा की स्मृति में बनाये गये 'टावर ऑफ पीस' पर जाकर सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा बाबा के बताये गये राह पर चलकर विश्व कल्याण का कार्य करने का दृढ़ संकल्प लिया।

'टावर ऑफ पीस' पर ब्रह्मा बाबा को श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात् शांति में खड़े हैं राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी तथा वरिष्ठ भाई बहनों सहित देश भर के आगंतुक भाई बहनें।